राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

जय हिन्द।

प्रिय प्रदेशवासियों,

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के, शुभ अवसर पर, हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। सबसे पहले, मैं आज के दिन, उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन से जुड़े, सभी ज्ञात–अज्ञात, अमर शहीदों और आंदोलनकारियों को, नमन करता हूँ। यह, आप सभी का, बलिदान और संघर्ष ही था कि, 09 नवम्बर, 2000 को, भारत के 27वें राज्य के रूप में, उत्तराखण्ड का, निर्माण हुआ।

उत्तराखण्ड राज्य की पहचान, ऐसे राज्य के रूप में भी है, जहाँ बहुत बड़ी संख्या में, लोग सेना में, या किसी न किसी अर्द्ध सैनिक बल में हैं, और, देश की सीमाओं की रक्षा में, तैनात हैं। हमारा राज्य देवभूमि है, वीरभूमि है, सैन्य भूमि है। मैं, आज, उत्तराखण्ड की, समस्त जनता की ओर से, अपने वीर सैनिकों को, सैल्यूट करता हूँ, शहीदों को नमन करता हूँ।

प्रिय प्रदेशवासियों,

हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि, हमें देवभूमि में रहने का, यहाँ की सेवा करने का, अवसर मिला है। ऐसा राज्य, जहाँ हिमालय है। गंगा–यमुना जैसी पवित्र नदियाँ हैं, उत्तरकाशी से पिथौरागढ़ तक अमूल्य प्राकृतिक संपदा, और सौन्दर्य है। यह चारधामों की भूमि है, न्याय के देवता गोलू जी महाराज की भूमि है, महासू महाराज की भूमि है, सिक्खों के दसवें गुरू, गुरू गोबिन्द सिंह जी की, तपस्थली है। यहाँ के लोग, स्वयं पहाड़ की तरह, मजबूत, यहाँ की नदियों की तरह, स्वच्छ–निर्मल हैं।

मुझे ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि, हम भारत के सभी राज्यों में सर्वश्रेष्ठ राज्य नहीं बन सकते। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि, 21वीं सदी का, तीसरा दशक, उत्तराखण्ड का दशक होगा। मुझे पूरा यकीन है कि, उत्तराखण्ड का बच्चा–बच्चा, प्रधानमंत्री जी की इस बात को, सच साबित करने में, जुट जायेगा। मुझे खुशी है कि, राज्य निर्माण से अब तक, उत्तराखण्ड ने विकास के कई पैमानों पर, अपनी खास जगह, बनाई है। अगर मैं यह कहूँ कि 22 साल बेमिसाल, तो गलत नहीं होगा, लेकिन, अभी बहुत कुछ, किया जाना बाकी है।

आज के अवसर पर, हमें अपने लिये, तीन लक्ष्य निर्धारित करने हैं,– इमीडियेट गोल, इण्टरमीडियेट गोल और सेन्चुरी गोल। इमीडियेट गोल, यानी तत्काल हासिल किया जाने वाला लक्ष्य, जो कि, 2025 तक का उत्तराखण्ड कैसा होगा, जब हम, अपनी स्थापना के 25 वर्ष मना रहे होंगे, यह तय करना है। इण्टरमीडियेट गोल, 2030 तक, यानी तीसरे दशक की समाप्ति पर, उत्तराखण्ड कैसा होगा, यह वही दशक है जिसे हमें, अपना बनाना है, जिसके बारे में, प्रधानमंत्री जी ने भी, कहा है। तीसरा, सेन्चुरी गोल, यानी 2047 तक, जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष, मना रहा होगा। आजादी के अमृत काल का, अंतिम सोपान। तब उत्तराखण्ड किस स्वरूप में होगा, यह लक्ष्य, हमें आज ही, तय करना है।

उत्तराखण्ड राज्य की, सबसे बड़ी ताकत, यहाँ की महिलाएँ हैं। यहाँ की महिलाओं का, राज्य की अर्थव्यवस्था में, बहुत बड़ा, योगदान है। संस्कृति संरक्षण की बात हो, या पलायन रोकने की बात हों, ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग लगाना हो, या Environment संरक्षण अभियान हो, हर क्षेत्र में, यहाँ की माताएँ–बहनें आगे हैं। इसीलिये, प्रदेश की हर योजना, यहाँ की, महिलाओं को केन्द्र में रखकर बनाई जानी, आवश्यक है।

मुझे संतोष है कि, राज्य सरकार द्वारा, महिला–बालिका कल्याण और **इम्पावरमेंट** के लिये, कई कदम उठाये जा रहे हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा, शानदार **प्रोडक्ट** बनाये जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले, स्वयं प्रधानमंत्री जी ने, माणा गांव में स्थानीय महिलाओं से मुलाकात कर, उनके द्वारा बनाये गए उत्पादों की, प्रशंसा की।प्रधानमंत्री जी ने सभी देशवासियों से आह्वान किया है कि वे अपनी यात्रा के दौरान कुल खर्चे का 5% हिस्सा स्थानीय उत्पादों को खरीदने में खर्च करें। इससे लोकल इकोनॉमी को बहुत लाभ होगा। हमें इसके लिए अपने सभी स्थानीय उत्पादों की पैकेजिंग और क्वालिटी पर विशेष ध्यान देना होगा।

राज्य सरकार, महिलाओं की क्षमता में वृद्धि, करना चाहती है। इसीलिए, सरकार द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को, मजबूत करने के लिए, 5 लाख रूपये इन्ट्रेस्ट फ्री(Intrest Free) लोन दिया जाता है। बालिकाओं के जन्म का स्वागत करने के लिए, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना चलाई जा रही है। सरकार द्वारा गरीब परिवारों को तीन गैस सिलेण्डर, मुफ्त देने के लिए, बजटीय प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य लाभ, महिलाओं को ही मिलेगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से आज, प्रदेश के 60 लाख से अधिक लोगों को, Food Security मिल रही है।

सरकार की ऐसी बहुत सी योजनाएँ हैं, लेकिन हमें इन योजनाओं को बड़े लक्ष्यों तक पहुंचाने के लिए,**लाँच पैड** बनाना होगा। इन योजनाओं का Long term लाभ, तभी होगा, जब हम, इनका लाभ उठाते हुए, अपने स्वरोजगार के साधनों में, बढ़ोत्तरी करें। अपना खुद का, कोई काम शुरू करें। खेती–किसानी को, मजबूत करें। मुख्यमंत्री स्वरोजगार **नैनो योजना** के तहत, बैंकों के माध्यम से, छोटा व्यवसाय करने के लिए, 50 हजार रूपये लोन दिया जा रहा है।

मुझे खुशी है कि, राज्य सरकार ने, उत्तराखण्ड आर्गेनिक ब्राण्ड बनाने का निर्णय किया है। उत्तराखण्ड आर्गेनिक खेती, जड़ी–बूटियों, बेमौसमी सब्जियों–फलों के लिए, बहुत बड़ा,**सप्लायर स्टेट** बन सकता है। इन क्षेत्रों में हमें, अलग–अलग बहुत सी Success Stories भी, दिखाई पड़ती हैं। मशरूम, राजमा, पनीर, सेब, मटर का उत्पादन, एवं निर्यात करने में, बहुत से लोगों ने, अच्छी कामयाबी पाई है। पिथौरागढ़ में, बेडू के उत्पादों ने, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, नाम कमाया है। हमारे यहाँ, बिच्छूघास से, कई **प्रोडक्ट** बनते हैं, जो सीधे, विदेशी बाजारों में चले जाते हैं। हमारे ऐंपण और रिंगाल के, उत्पाद शानदार होते हैं।

लेकिन अभी भी, यह सफलता की कहानियाँ, बहुत कम हैं। इन्हें, कई गुणा बढ़ाने की, जरूरत है। राज्य में,One District Two Product,योजना चलाई जा रही है, जहाँ, प्रत्येक जनपद के दो प्रमुख उत्पादों को, बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह, हमें One Village One Product, पहचानना होगा। यह प्रोडक्ट, कोई कृषि उत्पाद हो सकता है, कोई हैंडीक्राफ्ट हो सकता है, योग, ध्यान, पर्यटन से संबंधित कोई व्यवसाय हो सकता है। हर गांव हर कस्बा, अपनी शक्ति पहचाने, और उस पर काम करें।

लघु उद्योगों की स्थापना, और Self employment को, बढ़ावा देने के साथ–साथ, बड़े उद्योगों की स्थापना से,राज्य में निवेश और रोजगार लाने के, प्रयास हो रहे हैं। इस दिशा में,**गति शक्ति कार्यक्रम,**उत्तराखण्ड में प्रगति पर है। **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस,**और **लॉजिस्टिक श्रेणी** में, राज्य को **एचीवर्स श्रेणी** में, सम्मानित किया गया है। नीति आयोग की,Export Preparedness Index रैंकिग में, हम हिमालयी राज्यों में, प्रथम आये हैं। कोविड काल से अब तक राज्य में, बहुत से नये उद्योग लगे है। काशीपुर

में, एरोमा पार्क और सितारगंज में, प्लास्टिक पार्क, बनाया जा रहा है। यह सभी बातें, हमें आश्वस्त करती हैं कि, हम सही राह पर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, केन्द्र सरकार ने, उत्तराखण्ड में,Infrastructure सुविधाओं के विकास, पर्यटन और संस्कृति को, बढ़ावा देने के लिए, कई कदम उठाये हैं। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्र, केदारनाथ जी –बद्रीनाथ जी में, करोड़ों रुपये के विकास कार्य, कराये जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले, प्रधानमंत्री जी द्वारा, गौरीकुण्ड–केदारनाथ, और गोबिंदघाट–हेमकुण्ड साहिब रोपवे का, शिलान्यास किया गया। इन Ropeways के बन जाने से, घण्टों का कठिन सफर, मिनटों में होगा, अधिक तीर्थयात्रियों का आना होगा, स्थानीय दुकानों, होटलों को, अधिक लाभ होगा।

चारधामों के लिए, और कुमाऊँ में, आलवेदर रोड, चारधाम रेल नेटवर्क, **रोपवेज**, जौलीग्रांट, पंतनगर हवाई अड्डों का विस्तार, उड़ान योजना में, हैलीकॉप्टरों से यात्रा जैसी, योजनाओं से, राज्य में, पर्यटकों की संख्या में, भारी इजाफा होगा। बहुत से पर्यटकों को, रहने के लिए जगह भी चाहिये, जिनके लिये, गांवों में होमस्टे को, बढ़ावा देना होगा। एक होमस्टे सिर्फ, एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समुदाय को लाभ पहुंचाता है। राज्य में होमस्टे का निर्माण, एक अभियान के तहत हो रहा है। इसे और मजबूती दिये जाने की, जरूरत है।

केन्द्र सरकार द्वारा, उत्तराखण्ड को,**बेस्ट टूरिज्म डेस्टिनेशनअवार्ड** भी मिला है। यहां फिल्मों की शूटिंग भी, खूब हो रही है। पिछले चार वर्षों से, लगातार उत्तराखण्ड राज्य को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में, मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट श्रेणी में, पुरस्कार मिले हैं।

उत्तराखण्ड वर्षों से, स्कूली शिक्षा के लिये देश–विदेश में, विख्यात रहा है। अब समय आ गया है कि, यहां के उच्चशिक्षा संस्थानों का भी, उतना ही नाम हो। उत्तराखण्ड में, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो गयी है। राज्य के विश्वविद्यालयों को,**'सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस'** बनाने के लिये, प्रोत्साहित, किया जा रहा है। मेरा मानना है कि, कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज की पढ़ाई, ऐसी होनी चाहिये कि, विद्यार्थियों को, रोजगार मिले, समाज को उनकी चुनौतियों का, समाधान मिले, **लैब टू लैण्ड** के सिद्धांत पर, पढ़ाई का लाभ, गावों को, गरीबों को, पिछड़ों को, मिले।

विकसित और समृद्ध प्रदेश के लिये, जन स्वास्थ्य को, मजबूती प्रदान करना, जरूरी है। उत्तराखण्ड आयुष्मान योजना में, सभी परिवारों को, 5 लाख रुपये वार्षिक तक, निःशुल्क ईलाज की सुविधा, दी जा रही है। 48 लाख से अधिक लोगों के, आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं और लगभग 6 लाख लोगों ने, निःशुल्क उपचार कराया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में, स्वास्थ्य सुविधाओं को,मजबूत बनाने के लिये कदम, उठाये जा रहे है।

मेरा मानना है कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलि मेडिसन और ड्रोन टेक्नोलॉजी को, बढ़ावा देकर, हम आने वाले समय में उत्तराखण्ड के, पर्वतीय क्षेत्रों में, बहुत जल्दी से विकास के कार्य, कर सकते हैं। इसके लिए, कनेक्टिविटी सबसे पहली शर्त है। राज्य में संचार नेटवर्क को, बेहतर बनाने के लिये, 1202 मोबाइल टावरों की स्वीकृति मिली है। गांव में, ऑप्टिकल फाइबर लाये जा रहे हैं।

उत्तराखण्ड की All Round Success,और विकास के लिये, यहाँ शासन प्रशासन का, स्वच्छ पारदर्शी और Corruption free होना, बहुत जरूरी है। मुझे खुशी है कि, राज्य सरकार द्वारा, इस दिशा में, कई ठोस कदम उठाये गये हैं। भ्रष्टाचार मुक्त एप 1064, सी0एम0 हेल्पलाईन 1905, इस दिशा में बड़े कदम हैं। **अपणि सरकार पोर्टल**, **ई–ऑफिस, ई–कैबिनेट,**

जैसे कदम, सुशासन की दिशा में, उठाये गये हैं। Uttarakhand State Subordinate Selection Commisionकी, भर्ती परीक्षाओं में, गड़बड़ी की शिकायत पर, राज्य सरकार ने कठोर कदम, उठाये हैं, और, बहुत से आरोपियों के विरुद्ध, कार्यवाही की है। यही नहीं, परीक्षाएँ समय पर पूरी हो, इसलिये, अब यह जिम्मेदारी, राज्य लोक सेवा आयोग को, दे दी गई है।

प्रिय प्रदेशवासियों,

पिछले दिनों, कुछ दुर्घटनाओं ने, हमें झकझोर दिया। उत्तरकाशी में, कई प्रतिभाशाली युवा पर्वतारोहियों की,Avalanche में मृत्यु हो गई, उसी समय, पौड़ी में बारातियों से भरी, एक बस, नदी में गिर गई, केदारनाथ में, एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में, तीर्थ यात्रियों की जान, चली गई। इन सभी घटनाओं ने, मुझे, अत्यंत दुख पहुंचाया है। मैं इन Accident में, हताहत लोगों के प्रति, अपनी शोक संवेदना, व्यक्त करता हूँ।

हमारा प्रदेश, आपदा हेतु, संवेदनशील राज्य है। जहाँ एक ओर, सरकार द्वारा, आपदा प्रबंधन एवं बचाव हेतु, अपनी तैयारी लगातार, मजबूत करनी जरुरी है, वहीं, दूसरी ओर, एक आम नागरिक को भी, आपदा से जुड़े विषयों पर, जागरूक होना जरुरी है। **आपदा से निपटने के लिए, भारत सरकार ने उत्तराखण्ड प्रदेश हेतु वर्ल्ड बैंक से, 1400 करोड़ की परियोजना को मंजूरी, दिलाई है। आपदा की दृष्टि से, संवेदनशील उत्तराखण्ड में, बेहतर इंतजाम होंगे, और राहत एवं बचाव तंत्र में, मजबूती आयेगी।**

प्रिय प्रदेशवासियों,

अंत में, आज के शुभ अवसर पर, मैं, आपसे दो संकल्प, चाहता हूँ। ट्रैफिक नियमों का पालन कर, हम सड़क दुर्घटनाओं में काफी हद तक, कमी ला सकते हैं। वाहनों की फिटनेससमय पर, कराकर, वाहनों में

ओवरलोडिंग का त्याग कर, सड़क पर गाड़ी चलाते हुए, सभी नियमों का पालन कर, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को, कम किया जा सकता है। एक अन्य बात, जो मैं आज, आपसे साझा करना चाहता हूँ, उत्तराखण्ड के हर हिस्से को, स्वच्छता अभियान का रोल मॉडल, बनाना है। हमारे यहाँ, देश–विदेश से पर्यटक आते हैं, हमारी सड़कें, पर्यटक स्थल, नदी–घाट, ट्रेक साफ–सुथरे रहने चाहिए। यह तभी संभव है, जब, यहाँ का बच्चा–बच्चा, स्वच्छता अभियान हेतु, अपने मन में, संकल्प ले लें।

इन संकल्पों को सिद्ध करके ही, हम आने वाले समय में, उत्तराखण्ड को एक सुनहरा भविष्य, दे सकते हैं। राज्य स्थापना दिवस की, आप सभी को, एक बार पुनः, हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

जय हिन्द। **जय उत्तराखण्ड।**